M.Ed. III rd Sem

Appointments

S.C.1. Elementary (I-VIII) Education For Differently Abled

Elementary - प्राथमिक (Differently abled - निःशक्तजन)

"अलग ढंग से विकलांगो के लिए शिक्षा"

The Person with disabilities Act 1995 indicates that differently-abled persons should have access to education at all levels. In the higher education sector, the University Grants Commission (UGC) is supporting universities in the country to involve in special education activities to empower differently-abled persons.

"विकलांगता व्यक्ति की वह दशा है जो क्षति एवं अक्षमता के कारण उत्पन्न शारीरिक एवं मानसिक क्रियाओं सम्बंधित भूमिकाओं को सामान्य व्यक्तियों की तुलना मे करने मे बाधक होती है।

International Classification of Impairment disability and Handicapped के अनुसार - "व्यक्ति मे उम्र, लिंग

Appointments

सामाजिक, सांस्कृतिक कारकों में क्षति एवं असमर्थता के कारण जो नुकसान या पिछड़ापन हो जाता है, उसे विकलांगता कहते हैं।

इसमें व्यक्ति की स्थिति एवं सामाजिक क्रियाएँ बाधित हो जाती है
Exp. एक व्हील चेयर के योग्य व्यक्ति सीढ़ी नहीं चढ़ पाता है
विकलांग कहलाता है।

निर्योग्यता (Disability)

एक व्यापक शब्द है जो किसी व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक, ऐन्द्रिक, बौद्धिक विकास में किसी प्रकार की कमी को इंगित करता है। इसके लिए अशक्तता, निःशक्तता, (विधि) अपंगता, अपांगता आदि शब्दों (का) भी प्रयोग किया जाता है।

सामान्य बालक (NORMAL CHILD)

सामान्य बालक वे होते हैं जिनका शारीरिक स्वास्थ्य एवं बनावट इस प्रकार की होती है की इन्हें सामान्य कार्य करने में किसी प्रकार की कठिनाई का अनुभव नहीं होता है।

Scanned with CamScanner

जिनकी बुद्धि लब्धि औसत (90 से 110) के बीच होती है। ऐसे बालकों की शैक्षिक उपलब्धि कक्षा के अधिकांश बालकों के समान होती है।

विशिष्ट बालक (EXCEPTIONAL CHILD)

According to Crow and Crow

"विशिष्ट प्रकार या विशिष्ट पद किसी गुण या उन गुणों से युक्त व्यक्ति पर लागू होता है जिसके कारण वह व्यक्ति साथियों का ध्यान अपनी ओर विशिष्ट रूप से आकृष्ट करता है तथा इससे उसके व्यवहार की अनुक्रियाएँ भी प्रभावित होती है।"

In English

"The term exceptional is applied to traits or to a person possessing the traits because of it the individual received special attention from this fellows."

By "Crow and Crow"

Scanned with CamScanner

सामान्य एवम् विशिष्ट बालक में अन्तर

Difference Between Normal And Exceptional Children

सभी बच्चे शारीरिक रूप से एक दूसरे से अलग पाये जाते हैं, कुछ छोटे होते हैं कुछ बड़े होते हैं, कुछ कमजोर होते हैं तो अन्य बलवान, कुछ में सीखने की क्षमता अच्छी होती है तथा वह जल्दी से सीख लेते हैं।

जहाँ बच्चों में आपस में कम अन्तर की मात्रा में पाया जाता है वे शारीरिक रूप से लगभग एक से होते हैं, इनमें सीखने की क्षमता भी लगभग एक सामान सी होती है।

वे सामान्य शिक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत शिक्षा ग्रहण करने की स्थिति में हों ऐसे बच्चों को सामान्य बालक की श्रेणी में रखा जाता है।

विशिष्ट बालकों की श्रेणी में सीखने की निर्योग्यता वाले, व्यावहारिक समस्या वाले, विभिन्न प्रकार की शारीरिक अपंगता वाले, संवेदी अपंगता वाले, बौद्धिक रूप से प्रखर एवम् चिन्तक, मानसिक दौर्बल्य आदि आते हैं।